प्रवाह

बिट्स में बहती खबरों की धारा

हिंदी प्रेस क्लब

पिलानी - शनिवार, 14 अगस्त, 2010

आलोक
लोकेश
सौरभ
उज्ज्वल
कुलदीप

किशन
विकल्प
नितीश
निमिष
अर्पिता
सुरभि
स्वाति
रोहन
प्रतीक
सौरव

निशांक
अनुजा
अंजुम
रोहित
राहुल
विकास
संकल्प
अनमोल
कजरी
पूजा
मृगांक
नीतिश
सुमित
दिनेश
अभिनव

ढाई महीने की लंबी छुट्टियों के उपरान्त हम लोग फिर साथ हैं और नया अकादमिक सत्र आरम्भ हो चुका है | पर इस बार परिस्थितियाँ भिन्न हैं | विज़न 2020 - मिशन 2012 के अंतर्गत इस बार कैम्पस में काफी बदलाव देखने को मिल रहा है | कुछ भवनों का नवीनीकरण देख कर जहां जनता को खुशी हुई तो काफी लोगों को रेहड़ियों के न लगे होने का मलाल भी है | बहुत सारी लैब्स को नवीनीकृत किया जा चुका है और एक जॉगर्स पार्क भी निर्माणाधीन है | हमारे पूर्व उप कुलपति श्री एल.के. माहेश्वरी सर के जाने के बाद अब श्री बी.एन. जैन सर उनका कार्यभार संभाल चुके हैं |

एक नए रंग में रंगे क्लॉक टावर के साथ बहुत सारे नए चेहरे भी कैम्पस में नज़र आ रहे हैं |जहाँ पिछले वर्ष इस समय हम असंख्य बार अपना "इंट्रो" दे रहे होते थे, वहीं इस बार सीनियर बनते ही हम "इंट्रो" लेते नज़र आ रहे हैं |

पिछले कई वर्षों की तरह इस साल भी रैगिंग का कोई मामला सामने नहीं आया और हमेशा की तरह इस बार भी जूनियर्स व सीनियर्स के बीच स्वस्थ इंटरैक्शन हुआ | पर मेरे हिसाब से यह सिर्फ हलफनामे (Affidavit) का असर नहीं है, बल्कि रैगिंग लेना कभी भी बिट्सियन संस्कृति का हिस्सा नहीं रहा है | मगर इसका मतलब यह नहीं होता कि जूनियर्स अपने सीनियर्स की क़द्र करना छोड़ दें, क्योंकि यही सीनियर्स न सिर्फ इन चार-पांच साल बल्कि पूरी ज़िदगी उनका मार्गदर्शन करते रहेंगे |
उम्मीद है कि सभी जूनियर्स अब तक बिट्सियन परिवेश में अपने आपको पूरी तरह ढाल चुके हैं और आप में से काफी लोगों ने तो अब लेक्चर्स भी "*लाईट*" लेने शुरू कर दिए होंगे | सभी क्लब और डिपार्टमेंट्स के इन्टरैक्शन लगभग खत्म हो चुके हैं पर डिसिप्लिनरी असोसिएशन के इंटरैक्शन चल रहे हैं | लेकिन अभी भी किसी को चैन की साँस लेने का मौका नहीं मिलेगा, क्योंकि चुनावी सरगर्मी सभी के सर चढ़ कर बोलने वाली है |
तो हम आपसे फिर मिलेंगे चुनाव विशेषांक के साथ !!

आपका अपना,

निशांक वार्ष्णेय |

चलते-चलते

7 अगस्त को प्रोफेसर लक्ष्मी कांत माहेश्वरी ने बिट्स पिलानी को अलविदा कह दिया | उसी दिन सुबह हमने उनसे मुलाकात की | जाते-जाते वे चंद लफ्जों में काफी कुछ कह गए | चेहरे पर बिट्स से जुदा होने की मायूसी साफ़ झलक रही थी | बिट्स पिलानी को माहेश्वरी सर ने एक मज़बूत बुनियाद दी है, जिसके लिए आने वाले समय में उनका नाम बिट्स के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा |

एच.पी.सी : यहाँ से जाने के बाद, आप किस तरह बिट्स से जुड़े रहेंगे ?

माहेश्वरी सर : मैं अब लखनऊ में रहने जा रहा हूँ | मैं कुलपति के सलाहकार के रूप में बिट्स से जुड़ा रहूँगा और बिट्स के भविष्य को और बेहतर बनाने में योगदान दूँगा |

एच.पी.सी : आपने इतने वर्षों में शिक्षा प्रणाली में क्या बदलाव देखे हैं ?

माहेश्वरी सर : कई बदलाव हुए हैं | मैं 1965 में बिट्स एक विद्यार्थी बनकर आया था, ग्रेडिंग सिस्टम में तब से अब तक काफी बदलाव आया है, यूनिवर्सिटी-इन्डस्ट्री लिंक की स्थापना हुई है | एक कोर-करिकुलम की संरचना भी उन्हीं दिनों की गयी थी | 1970 तक अलग प्रणाली थी, विद्यार्थी के एक पूरे साल के प्रदर्शन के मुताबिक़ साइंस या इंजीनियरिंग डिग्री दी जाती थी, उसमें बदलाव किया गया | 2005 से बिट्सैट के ज़रिये छात्रों का दाखिला होने लगा |

एच.पी.सी : बिट्स में बिताए किन लम्हों को आप अपने साथ ले जा रहे हैं ?

माहेश्वरी सर : एक विद्यार्थी के तौर पर श्री जी.डी.बिरला से मिलना और शिव-जी में गेट-टुगेदर, अपने साथियों के साथ कार्य करना और युवाओं से बातें करना, इन सब लोगों के साथ बिताया गया पल मुझे हमेशा याद रहेगा | हमने सिड (साइंस इमेजिनेशन डिस्कवरी) और पिलानी में डी-पी-ओ की स्थापना की, और पी.एच.डी. के बाद बिट्स की फैकल्टी के साथ बिट्स में बुनियादी बदलाव लाने में अहम् भूमिका निभाई |

एच.पी.सी : छात्रों और शिक्षकों के लिए कोई सन्देश ?

माहेश्वरी सर : अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखते हुए कर्म करते रहने से सफलता अवश्य मिलेगी |

माहेश्वरी सर ने अपने नाम से एक ट्रस्ट की स्थापना की है " प्रोफेसर एल.के.माहेश्वरी फाउन्डेशन " जोकि EEE और E&I के छात्रों की सहायता के लिए एवं बिट्स में शोध कार्य को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी |

आणविक ऊर्जा : असाधारण विकल्प

क्या कभी आपने अपने गूढ़ एवं पेचीदे मस्तिष्क की गहराइयों में जाकर स्वयं से एक साधारण सा सवाल किया है ? आखिर इस समस्त सृष्टि में मानव, या सीधे-सीधे कहा जाये तो आप खुद, इसके अंत के लिए चल रहे अभियान के भागी क्यों हैं? इस पृथ्वी को सौर मंडल का अनोखा ग्रह कहा जाता है क्योंकि यहाँ जीवन-यापन के लिए अनिवार्य सभी तत्व मौजूद हैं | किन्तु मानव की नासमझी उसे किस गर्त की ओर धकेल रही है , शायद अभी वो इसका अंदाजा भी न लगा सके | इस परिदृश्य में पृथ्वी के वृहत् जनसमूह के कुछ बुद्धिजीवियों ने प्रयास आरम्भ कर दिए हैं ताकि आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए भी यह ग्रह अनोखा ही रहे | यह वरदान शापित न हो जाये और इस जगत में जीवन फलता-फूलता रहे |

इसी सन्दर्भ में 7 अगस्त को बिट्स पिलानी के भौतिक विज्ञान समिति द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया | इसमें आईओवा स्टेट विश्वविद्यालय के औद्योगिक, यांत्रिकी एवं आणविक संकाय की प्रोफेसर मैडम कैरोलिन हेइसिंग मुख्य लेक्चरर थीं तथा उन्होंने इस विश्वव्यापी संकट से उबरने हेतु आणविक ऊर्जा के अधिक से अधिक उत्पादन एवं प्रयोग का पुरजोर समर्थन किया | हम सभी भारतीयों को शायद ही इसका ज्ञान हो कि हम थोरियम के निक्षेपों में संसार में दूसरे स्थान पर हैं | ऑस्ट्रेलिया यूरेनियम एवं अन्य कई खनिजों की भाँति थोरियम के निक्षेपों में भी धनी है और संसार में पहला स्थान रखता है | पूरे लेक्चर के दौरान थोरियम के प्रयोग से उर्जा उत्पादन को सराहा गया तथा शिक्षकों एवं छात्रों को इसके लाभ एवं प्रगुणता से अवगत कराया गया | उन्होंने आणविक ऊर्जा यांत्रिक केंद्र स्थापित करने में आने वाली कठिनाइयों की भी समीक्षा की | प्रोफेसर हेइसिंग अपने शोध सहयोगी आकाश के साथ थोरियम परियोजना को व्यावहारिक रूप देने , संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा के पर्यावर्णीय संकट पर सन्देश एवं अमेरिका तथा अन्य राष्ट्रों में इस पर चल रहे कार्यक्रमों की विवेचना तथा छात्रों को प्रोत्साहित करने भारत आई हुई हैं | इस सन्दर्भ में सबसे बड़ा सम्मलेन 17 अगस्त को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , मुंबई में आयोजित होगा तथा उसमें कई सांसदीय मंत्रीगण भी शामिल होंगे | इस परियोजना में भारत की ओर से आई.आई.टी. मुंबई के प्रोफेसर डॉ. दोषी मुख्य सहयोगी हैं | उन्होंने भारत में नासिक के निकट एक थोरियम आधारित प्लांट को स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है | लेक्चर के बाद हुए 'क्यू एंड ऐ ' सेशन में बिट्स के छात्रों एवं शिक्षकों ने बढ़ चढ़कर सवाल किए तथा प्रोफेसर हेइसिंग ने बड़ी विनम्रता एवं कुशलता से उनके उत्तर दिए |

*थोरियम आधारित उर्जा की आवश्यकता एवं लाभ:

- समकालीन विश्व में 'ग्लोबल वार्मिंग' तथा प्रदूषण का संकट
- 'क्लीन एनेर्जी स्कूल ' की आवश्यकता
- अगले 20 वर्षों में उर्जा की अपरिमित मांग
- इस दिशा में धीमी प्रगति के पर्यावरण पर हानिकारक परिणाम
- आणविक उर्जा के प्रयोग से ग्रीन हॉउस गैसों का उत्सर्जन न होना
- आणविक हथियारों के प्रसरण पर रोक
- अन्य विकल्पों में इसकी प्रगुणता के कारण इसका श्रेष्ठ होना

नालंदा-एक पहल

बिट्स पिलानी की नयी ऑनलाइन शिक्षा प्रबंधन प्रणाली - नालंदा के बारे में मेजरमेंट टेक्नीक्स-1 के कोर्स इंचार्ज नवीन सिंह से हमारा वार्तालाप हुआ | उन्होंने हमें बताया कि नालंदा एक तकनीकी कला पाठ्यक्रम है जिसकी इस वर्ष से प्रयोगात्मक तौर पर मेजरमेंट टेक्नीक्स-1 कोर्स से नयी पहल की गयी है और आने वाले समय में और भी कोर्सेस में इसे उपयोग में लाया जायेगा | नालंदा एक नेटवर्किंग साईट की तरह ही है जिसमें हम अपने लैब कार्य सब्मिट कर सकते हैं, फोरम्स में अपनी शंकाएँ प्रकाशित करके प्रशिक्षकों और साथी बिट्सियन्स के साथ तर्क कर सकते हैं | इसमें फेसबुक या अन्य किसी नेटवर्किंग साईट की तरह ही प्रोफाइल बनानी होती है | नालंदा में जो लैब कार्य सब्मिट किये जाने हैं, उनके लिए XMGrace सॉफ्टवेयर का प्रयोग किया जाएगा | XMGrace एक 2D प्लॉटिंग सॉफ्टवेयर है जिसका प्रयोग आम तौर पर रिसर्च कार्यों में किया जाता है, पर छात्रों के द्वितीय वर्ष से ही इसका प्रयोग शुरू कर विज़न 2020 की ओर बिट्स पिलानी की यह एक और पहल है | इसका मकसद छात्रों का तकनीकी ज्ञान बढ़ाना एवं उनमें टीम वर्क की भावना लाना है | इसका नाम 'नालंदा' प्रोफेसर राहुल बैनर्जी के द्वारा रखा गया, और इस नाम का आधार भारत के ऐतिहासिक विश्वविद्यालय नालंदा को ही बनाया गया | नवीन सर ने कहा कि छात्र इस पहल का सकारात्मक इस्तेमाल करें और फेसबुक या किसी अन्य नेटवर्किंग साईट में लगाये जाने वाले समय का 10 प्रतिशत समय भी दें, तो यह उनके तकनीकी ज्ञान के लिए बहुत मददगार साबित होगी |

उप कुलपति – डॉ॰ बी. एन. जैन से मुलाकात

एच.पी.सी. - बिट्स पिलानी के बारे में कौन सी बातें आपको अच्छी लगीं?

जैन सर- मैं अध्यापकों के शिक्षा व अन्य गतिविधियों से लगाव को देखकर बहुत प्रभावित हुआ | इसके अलावा पूरे सेमेस्टर में क्या और किस तरह करवाना है इसकी सुनियोजित योजना मुझे बहुत अच्छी लगी और प्रैक्टिस स्कूल (P.S.) तो बिट्स की मुख्य विशेषताओं में एक है ही |

एच.पी.सी. - आपको बिट्स पिलानी एवं आई.आई.टी में क्या मुख्य अंतर दिखाई दिया ?

जैन सर- सबसे बड़ा अंतर यही है कि आई.आई.टी में शोध कार्य को बहुत प्रोत्साहन दिया जाता है जबकि बिट्स में इस ओर अपेक्षाकृत कम रुझान देखने को मिला | इसलिए ‘ विज़न 2020 ’ को ध्यान में रखते हुए रिसर्च के लिये छात्रों व अध्यापकों को प्रोत्साहित करने के लिये अधिक सुविधाएँ मुहैया करवाई जायेंगी |

एच.पी.सी. - इस समेस्टर कैम्पस से रेहड़ी हटा दी गयी हैं | सब लोग इसका कारण जानना चाहते हैं |

जैन सर- रेहड़ी हटाने के पीछे मुख्य कारण स्वच्छता (हाइजीन) से जुड़ा है और हम छात्रों की आवश्यकताओं को समझते हैं इसलिए रेहड़ी के स्थान पर कुछ और व्यवस्था करने के प्रयास किये जा रहे हैं |

एच.पी.सी. – बिट्सियन जनता को आप क्या सन्देश देना चाहेंगे ?

जैन सर- किसी भी छात्र को बिट्स में आने के बाद खुद से दो सवाल पूछने चाहिए -

1. यह संस्थान मुझे क्या दे सकती है ?
2. मैं इस संस्थान से क्या ले सकता हूँ ?

पहले सवाल का ज़वाब तो है ‘बहुत कुछ’ व दूसरे सवाल के ज़वाब के लिये उसे वास्तव में वह क्या चाहता है एवं उसका उद्देश्य क्या है, के बारे में सोचना होगा |

एच.पी.सी. - हमारे क्लब से आपकी क्या अपेक्षाएँ हैं ?

जैन सर- अपने क्लब के माध्यम से आपको यही सन्देश देना चाहिए के अंग्रेजी के अलावा भी किसी अन्य भाषा का प्रयोग विचारों के आदान - प्रदान के लिये किया जा सकता है |

कैम्पस से जुड़ी अन्य ख़बरों के लिए देखते रहें **hpc-bits.blogspot.com**

अपने सुझाव हमें भेजें - **hindipressclub@gmail.com**

बॉसम 2010 (15-19 सितम्बर)

बॉसम अर्थात् बिट्स ओपन स्पोर्ट्स मीट इस बार अपने 25 साल पूरे करने जा रहा है | बॉसम का हमेशा से ही उद्देश्य रहा है खेलों का प्रचार | इसी उद्देश्य को पूरा करते हुए **BITS Social Connect** के तहत इस बार आसपास के गावों में रहने वाले बच्चों को विभिन्न खेलों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा | बॉसम अपने इतिहास में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय उड़ान भरने जा रहा है | इस बार एक श्री लंकन विश्वविद्यालय 'मोर्तोवो' को आमंत्रण भेजा गया है | साथ ही पहली बार इस खेल समारोह में DJs को बुलाया जा रहा है | बॉसम '10 के सेक्रेटरी विशाल अग्रवाल ने बताया कि इस शुभ अवसर पर अनेक नए इवेंट्स भी आयोजित किये जाएँगे | 20-21 अगस्त को प्रचार हेतु प्री-बॉसम कराया जायेगा जिसमें बॉसम में न खेले जाने वाले खेल कबड्डी, खो-खो और रस्साकशी का सभी भरपूर मनोरंजन उठा पाएँगे | काफी सालों से चर्चा में रहा BITS का पहला ऑनलाइन गेमिंग इवेंट IGNITION भी इस बार आयोजित होने वाला है जिसके लिए SAC में उचित ढाँचा तैयार किया जायेगा | साथ ही फुटबॉल और हाकी के दर्शकों के लिए इस बार ख़ास तौर से बैठने के लिए उपयुक्त "stands" बनाये जाएँगे | GYM -G में एक बड़ी स्क्रीन लगाने का भी प्रस्ताव रखा गया है जिसमें खेलों के "replays " और कार्यक्रम सूची दिखाई जाएगी | मुख्य अतिथि के रूप में भारत के सर्वश्रेष्ठ शूटर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ अथवा गोपीचंद को आमंत्रित करने पर विचार किया जा रहा है | उम्मीद है कि बॉसम का पच्चीसवाँ संस्करण खास होगा |